जांच करने पहुंची महिला पुलिसकर्मी को पिटबुल डॉग से कटवाया

हाथ-पैरों पर झपटा, साथ आई एएसआई ने बचाया, खुद घर में बंद हुई मां-बेटी

बीकानेर। यहां एक मामले की जांच करने पहुंची 2 महिला पुलिसकर्मियों पर मकान मालकिन ने पिटबुल डॉग छोड़ दिया। कुत्ते ने बाहर निकलते ही हेड कॉन्स्टेबल पर हमला कर दिया और उनके पैरों और हाथ पर काट लिया।

इस दौरान साथ आई एएसआई ने जैसे-तैसे हेड कॉन्स्टेबल को बचाया और अस्पताल पहुंचाया। घटना जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के चाणक्य नगर में 2 मार्च को हुई। हेड कॉन्स्टेबल ने 10 मार्च को मामला दर्ज करवाया है। एएसआई शारदा ने बताया- एक मामले की जांच करने थाने से महिला हेड कॉन्स्टेबल माली जाखड़ के साथ मनीषा मोदी निवासी चाणक्य नगर के यहां पहुंची थी। इसी दौरान मोदी ने पिटबुल डॉग से हम पर अटैक करवा दिया। कुत्ते के हमले में माली जाखड़ घायल हो गईं। उनके हाथ और पैर पर कुत्ते ने काट लिया। उनका सरकारी अस्पताल में इलाज करवाया।

- **घटना जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के चाणक्य नगर में 2 मार्च को हुई**

एएसआई पूर्णाराम ने बताया- मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल फिलहाल इलाज के बाद अपने गांव चली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपों की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एफआईआर के अनुसार, महिला पुलिसकर्मियों के मनीषा मोदी के घर पहुंचते ही मकान मालकिन ने पीटबुल डॉग को छोड़ दिया, जिसने बाहर आते ही माली जाखड़ पर हमला कर दिया और हाथ-पैर पर काट लिया। इस दौरान मकान मालकिन और उसकी बेटी खुद घर के अंदर बंद हो गईं। पीडि़त पुलिसकर्मी का आरोप है कि यह हमला जान से मारने की नीयत से करवाया गया, जिससे राजकार्य में भी बाधा उत्पन्न हुई। पिटबुल एक क्रॉस ब्रीड प्रजाति है। जो लोग जानवरों को पालने में रुचि रखते हैं, उनके बीच इस डॉग को एक 'गार्ड डॉग' के रूप में जाना जाता है। इस आक्रामक और हमलावर कुत्ते को किसी बड़े फार्म या फिर बड़े खेतों में इसे एक रक्षक के रूप में पाला जाता है। जानकारों के मुताबिक, इस ब्रीड को 19वीं सदी के अंत के दशकों में तैयार किया गया था। पिटबुल को बुल एंड टेरियर डॉग के साथ अमेरिकन बुली टाइप डॉग की मेटिंग से बनाया गया था। इंग्लैंड और कुछ दूसरे देशों में इसे अमेरिकन पिटबुल टेरियर के नाम से जाना जाता है। इसके दूसरे नामों में इसे स्टैफोर्डशायर फाइटिंग डॉग, बुल बेटर डॉग, यांकी टेरियर और रिबेल टेरियर कहा जाता है। पिटबुल अपनी ताकत और मजबूत जबड़े की वजह से लड़ाकू डॉग की तरह ही बिहेव करता है। पिटबुल डॉग अमेरिका, जर्मनी, डेनमार्क, स्पेन, ब्रिटेन, आयरलैंड, रोमानिया, कनाडा, इटली और फ्रांस समेत 41 देशों में बैन है। कई देशों में पिटबुल प्रजाति के कुत्ते को रिहायशी इलाकों में पालने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

गोसेवा से ही देश और सनातन धर्म को मिलेंगी नई दिशा : पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले के रेवदर क्षेत्र के अभिनव ब्रजमंडल नंदगांव में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कार्यक्रम में भाग लिया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गोसेवा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम सबको, इस देश को और सनातन धर्म को आगे ले जाने का कोई कार्य हो सकता है तो वह केवल गोसेवा की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि गोसेवा भारतीय संस्कृति, करुणा और प्रकृति संरक्षण की परंपरा का प्रतीक है और समाज को इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने अपने संबोधन में कहा कि आज नंदगांव आकर गोपूजन करने और यहां के पदाधिकारियों द्वारा दिलाए गए संकल्प के बाद वे स्वयं को भी इस पवित्र कार्य से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्र पति किसी भी संस्था में संरक्षक, पदाधिकारी या अन्य पद स्वीकार नहीं कर सकते लेकिन वे अपने आप को इस महान कार्य के लिए पूर्ण समर्पित करके जा रहे हैं। उन्होंने

सिरोही जिले के नदगांव में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कहा कि किसी संस्था का पद निश्चित समय के लिए होता है जबकि समर्पण स्थायी और आजीवन होता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नंदगांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने गोशाला में पहुंचकर विधि-विधान के साथ नंदी पूजन किया और गोशाला की परिक्रमा की। इसके बाद उन्होंने गो गोपाल कॉरिडोर का कार्यारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोसेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि समाज के आर्थिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। गोवंश की रक्षा और संवर्धन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नवनिर्मित गोआवासों का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोशालाओं का विकास और गोवंश के संरक्षण के लिए इस प्रकार के प्रयास समाज में सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने गोसेवा को सनातन संस्कृति की आधारशिला बताते हुए इसके संरक्षण और विस्तार का आव्हान किया।

इस अवसर पर पूज्य रामप्रवेशदास महाराज वाराहघाट श्रीधाम वृंदावन, पूज्य राधाकृष्णजी महाराज कार्यकारी प्रधान संरक्षक पथमेडा, ऋषि चैतन्यजी महाराज, नंदरामदास महाराज, बलदेवदासजी महाराज, चेतनानाथजी महाराज, सीतारामजी महाराज, महादेवानन्दजी महाराज सहित संतों का मंगल सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंबिंदल ने स्वागत उदबोधन दिया, कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथसिंह राजपुरोहित ने गो गोपाल कॉरिडोर की परियोजना प्रस्तुत की। युवा गोभक्त नरेन्द्र राजपुरोहित धानोल ने आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में श्री गोधाम महातीर्थ पथमेडा की केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण भी करवाया गया। इस दौरान उन्होंने नई कार्यकारिणी को गोसेवा, गोसंवर्धन और समाज कल्याण के कार्यों को समर्पण भाव से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में पैंथर के हमलों से ग्रामीणों में दहशत

मसूदा (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के में आए दिन किसान के खेत व जंगलों में पैंथर होने की सूचना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पैंथर आए दिन लगातार हमला कर मवेशियों व अन्य जानवरों का शिकार करते दिखाई दे रहा है, सूचना मिलते ही मसूदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति की जानकारी लेकर वन विभाग को सूचित किया गया।

इसके बाद वन विभाग की टीम भी तुरंत मौके पर पहुंचकर इलाके में जांच और निगरानी शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूदा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पैंथर देखे जाने की सूचना मिली थी। जैसे ही यह खबर गांव में फैली, आसपास के ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर खेत व आसपास के इलाके में जांच की। जांच के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों को पदचिन्हों के निशान मिले हैं। इसके बाद वन विभाग ने एहतियात के तौर पर इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

प्रिंसिपल नहीं होने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित

पदोन्नत 3800 प्रिंसिपल को पोस्टिंग नहीं मिलने से राज्य सरकार को हर माह 2.66 करोड़ का नुकसान

बीकानेर। राज्य सरकार विद्यार्थियों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती कर रही है। मेधावी विद्यार्थियों को अभी तक टैबलेट नहीं मिले हैं। 9 वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई है, लेकिन बालिकाओं को साइकिल का लाभ अभी तक नहीं दिया गया है।

वहीं, दूसरी ओर 3800 शिक्षा अधिकारियों को प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत तो कर दिया, पिछले 10 महीने उनकी पोस्टिंग अटकी है। इससे प्रिंसिपल का काम भी नहीं लिया जा रहा है, लेकिन वेतन नए पद के अनुसार दिया जा रहा है। जिससे राज्य सरकार को हर माह लगभग 2.66 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उधर, राज्य के स्कूलों में 6 हजार से अधिक प्रिंसिपल के पद रिक्त हैं। दरअसल, पिछले साल मई में हुई डीपीसी में पदोन्नत सभी प्रिंसिपल को राज्य सरकार ने यथास्थान कार्य ग्रहण करवा कर प्रिंसिपल के पद का वेतन देना शुरू कर दिया है। ऐसे में कमोबेश प्रत्येक पदोन्नत प्रिंसिपल के वेतन में लगभग 7 हजार की वृद्धि हुई है। काउंसलिंग के जरिए इन पदोन्नत प्रिंसिपलों को ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में पोस्टिंग दी जानी है। सुविधाजनक स्थान पर बैठे पदोन्नत प्रिंसिपल अपनी पोस्टिंग में भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। 6 हजार स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं होने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वरिष्ठता विवाद को लेकर मामला न्यायालय में लंबित है। जिसका निस्तारण शिक्षा विभाग नहीं करवा पा रहा है। अब 1 अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू होने वाला है।

- **दूसरी ओर 3800 शिक्षा अधिकारियों को प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत तो कर दिया, पिछले 10 महीने उनकी पोस्टिंग अटकी है**

नए शिक्षा सत्र से पहले यदि स्कूलों को प्रिंसिपल नहीं मिले तो अनेक स्कूलों के नामांकन पर भी असर पड़ेगा। बीकानेर जिले में 256 स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं हैं। जिले में प्रिंसिपल के 625 पद स्वीकृत है। जिसमें से 369 प्रिंसिपल कार्यरत हैं। 256 पद खाली चल रहे हैं। वहीं, पदोन्नत प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से अनेक स्कूलों में दोहरा पदस्थापन हो गया है।

प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल को भी नहीं मिला पदस्थापन, इससे व्याख्याताओं की पोस्टिंग भी अटकी स्कूल में प्रिंसिपल नहीं होने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होती है, वेतन के लिए दूसरे स्कूल के प्रिंसिपल को अधिकार देने पड़ते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन की अनेक योजनाएं बूथ में प्रिंसिपल नहीं होने से प्रभावित होती है। वहीं, प्रिंसिपल की पोस्टिंग रुकने से वाइस प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं हो पा रही है, वीपी भी यथास्थान ज्वॉइन कर वाइस प्रिंसिपल का वेतन ले रहे हैं। वाइस प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से व्याख्याता पदों पर डीपीसी के बाद पोस्टिंग प्रभावित होगी और कक्षा 11-12 में पढ़ाने के लिए व्याख्याता नहीं मिल पाएंगे।

जेलर-प्रहरी ने जेल में बंदियों को बेरहमी से पीटा

उदयपुर,(कासं)। जिले के झाडोल उप कारागृह में कैदियों के साथ जेलर और जेल प्रहरियों द्वारा बुरी तरह मारपीट करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा एक दिन पूर्व निरीक्षण में पहुंचे एडीजे और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा के निरीक्षण में हुआ। कांपते हुए बंदियों ने एडीजे को बताया कि जेल में जेलर करण गरासिया और जेल प्रहरी उन्हें बेरहमी से पीटते हैं।पट्टे मार मारकर घायल कर देते हैं। निरीक्षण के दौरान बंदियों ने हाथ.पैर,पीठ पर लगे घाव के निशान बताए, तो खुद एडीजे देखकर हैरान रह गए। एडीजे शर्मा ने तीन बंदियों से लिखित शिकायत ली।

- **एडीजे के निर्देश पर झाडोल थाने में दर्ज मुकदमा**

भाजपा नेता के कहने पर वृद्ध का अपहरण

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर में भाजपा नेता के कहने पर कुछ बदमाशों ने करोड़ों की जमीन को हड़पने के लिए एक वृद्ध का अपहरण कर लिया। मामले में पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह भाजपा नेता हाल में ही उदयपुर में सुर्खिया बटोर रहे है एक भाजपा महिला नेत्री के स्पाई कैमरों से बने अश्लील विडियों कांड में पुलिस को साथ लेकर आरोपी के घर भी गया था।पुलिस इस भाजपा नेता की तलाश कर रही है।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि हलेला नारायण सेवा संस्थान के पास निवासी रामलाल उर्फ रामा गमेती अपने घर के पास में पनघट पर पानी लेने गया था। इस दौरान एक कार में मुकेश गमेती निवासी लियो का गुडा व नन्दु गमेती निवासी शोभागपुरा व विजय कुमार निवासी लखावली सहित अन्य आए और आते ही रामा को जबरन कार में पटक कर ले गए। मौके पर लोगों के एकत्रित होने और पुलिस को बताने पर आरोपियों ने रामा को साईफन पर पटककर चले गए।

- **पुलिस पूछताछ में हुआ खुलासा, हडपना चाहते थे प्रॉपर्टी**

इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मुकेश गमेती निवासी हाथीधर्रा बडगांव, अशोक बंजारा निवासी ईसवाल गोगुन्दा, दीपचन्द्र उर्फ दिपक उर्फ संरपच निवासी खरबडिया हिरणमगरी, सुरेश गमेती निवासी काछबा गोगुन्दा,पुष्कर गमेती निवासी पडियारों का गुडा सुखेर,विजय गमेती निवासी पावटा लखावली सुखेर, प्रकाश गमेती निवासी बीएसएनएल टॉवर के पास गोगुन्दा,प्रवीण मेघवाल निवासी बांदरवाडा गोगुन्दा हाल आरामशीन की गली बडगांव, दिलीप कुमार गमेती निवासी गोडान कला नाई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस कांस्टेबल 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान (एसीबी) की दौसा चौकी ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए जिला अलवर में तैनात एक पुलिसकर्मी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि पुलिस चौकी गोला का बास, थाना टहला में तैनात कांस्टेबल रामप्रकाश को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। परिवादी के माता-पिता और छोटे भाई के खिलाफ थाना टहला में दर्ज एक मुकदमे में राजीनामा पत्रावली पर लेने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने उसका सत्यापन कराया। इसके बाद उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में एसीबी दौसा चौकी के उप अधीक्षक रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी कांस्टेबल रामप्रकाश को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

40 लाख कीमत की पंजाब में निर्मित अवैध शराब व बियर बरामद

ट्रेलर में चावल के कट्टों के बीच छिपी मिली शराब

मदनगंज-किशनगढ़, (निस) किशनगढ़ टोल पर आबकारी विभाग ने किशनगढ़ टोल के पास बड़ी कार्यवाही करते हुए ट्रेलर में चावल के कट्टो की आड़ में छुपाकर लेजा रहे पंजाब निर्मित करीब 40 लाख से अधिक कीमत की अवैध शराब व बीयर बरामद की। आबकारी विभाग को जरिये मुखबिर इतला मिली की 22चक्का ट्रेलर में अवैध शराब भरी हुई है, इतला के आधार पर विभागीय अफसरों ने टोल के पास मोर्चा संभाल लिया, इस बिच उक्त नंबर का ट्रेलर आता हुआ नजर आने पर रुकवाकर बारीकी से जांच की तो अधिकारियों के होश उड़ गए। चावल के कट्टो की आड़ अवैध शराब का जखीरा पड़ा मिला। तलाशी के दौरान 228 कार्टून में 2736 बोतल विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब तथा 335 कार्टून में 8040 केन बीयर जब्त की। हालांकि शराब व बियर के कार्टून पर फॉर सेल इन पंजाब लिखा हुआ था, किंतु अवैध शराब के कारोबार से जुड़े तस्कर इसे अन्य प्रदेश में बेचने के फिराक में, पर आबकारी विभाग की सजक कार्यवाही से इनके मंसूबो पर पानी फिर गया। अतिरिक्त आयुक्त जोन अजमेर राधेश्याम डेलु, जिला आबकारी अधिकारी तरुण अरोड़ा व उपायुक्त विजय जोशी के निर्देशन में किशनगढ़ आबकारी अधिकारी महावीर सिंह के नेतृत्व में की कार्यवाही से बडी सफलता मिल सकी। कार्यवाही में जिला आबकारी अधिकारी पाली मनोज बिस्सा, परीक्षित गुजराल व दिलीप सिंह का विशेष योगदान रहा।

- **आबकारी विभाग को जरिये मुखबिर इतला मिली की 22चक्का ट्रेलर में अवैध शराब भरी हुई है**

स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा

थाईलैण्ड की चार महिलाएं की मिलीं, संचालकों पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के शिकारगढ़ स्थित मिनी मार्केट में पुलिस ने 6 मार्च को एक स्पा सेंटर पर रेड देकर चार विदेशी महिलाओं को पकड़ा। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। स्पा चलाने वाले तीन शख्स को नामजद कर विदेशी अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। सीआईडी जोन जोधपुर के निरीक्षक की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने इसमें अब अग्रिम जांच आरंभ की है। संचालकों द्वारा सी फार्म नहीं भरा गया था।

एयरपोर्ट थाने के सबइंस्पेक्टर पूर्ण सिंह ने बताया कि 6 मार्च को पुलिस की तरफ से शिकारगढ़ मिनी मार्केट के एक स्पा सेंटर स्वास्तिक सैलून एण्ड सेंटर पर रेड दी गई थी। जहां पर कु छ विदेशी महिलाएं मिली। चार विदेशी महिलाएं जोकि थाईलैण्ड की थी उनके बारे में संचालकों द्वारा सी फार्म भरना सामने नहीं आया। इस पर सीआईडी जोन जोधपुर के निरीक्षक मोहनदास ने नियम 17 का उल्लंघन किए जाने पर संचालकों के खिलाफ केस दर्ज कराया

मंगलदीप कॉम्पलैक्स फायरिंग केस : दो हिरासत में

पुलिस ने दर्ज किया आम्र्स में केस

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र के पाल रोड स्थित मंगलदीप कॉम्पलैक्स के चौथे फ्लोर पर फ्लैट में मंगलवार शाम को हुए हादसे में पुलिस ने एक्शन लिया है। दरअसल कुछ युवक लोडेड हथियार चैक कर रहे थे और वह हाथ छिटक कर गिर गई। ऑटोमैटिक गन से पांच गोलियां निकल गई और दो युवक घायल हो गए। इसमें एक को एम्स अस्पताल दूसरे को अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया है। दो संदिग्ध को राउण्डअप भी किया गया है। प्रकरण में नामजद लोगों में एक किसी गैंग का सदस्य है। जोकि गैंग लीडर का भाई बताया जाता है। वहीं घायल युवक छोटूसिंह के हाथ और अनिल बिश्नोई के कंधे पर गोली लगी थी। इनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जाती है। ऑटो मेडेड गन से फायर होने पर बाकी गोलियां दीवार पर लग गई थी। पुलिस को पांच खोल मिले हैं। पुलिस ने अनिल विश्नोई, छोटू सिंह एवं देवेंद्र आदि को नामजद किया है।

दरअसल घटना मंगलवार देर शाम करीब 6.30 बजे मंगलदीप कॉम्पलैक्स फ्लैट नंबर 402 में मौजूद कुछ युवक लोडेड हथियार चैक कर रहे थे। तब उनके हाथ से ऑटोमैटिक गन नीचे गिर गई और फायरिंग हो गई। बाद में साथी दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गए। स्कार्पियो में रामदावास के अनिल बिश्नोई को एम्स लेकर गए। जहां उसे इमरजेंसी में स्ट्रेचर पर उसे लेटा दिया। फिर स्कार्पियो लेकर वहां से चले गए।

इधर, छोटूसिंह को पहले राज अस्पताल लेकर गए। जहां से उसे पीएफ ऑफिस रोड स्थित त्रिनय अस्पताल भेज दिया। दोनों घायलों का शाम को ही अलग-अलग अस्पतालों में ऑपरेशन हुआ। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस उपायुक्त पश्चिम विनीत कुमार बंसल, एडीसीपी रोशन मीणा, एसीपी प्रतापनगर रविंद्र बोथरा और बासनी थानाधिकारी नितिन दवे एम्स पहुंचे। एसीपी (पश्चिम) छवि शर्मा और शास्त्री नगर थानाधिकारी जुल्फिकार अली पीएफ ऑफिस रोड स्थित अस्पताल पहुंच गए। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भी बुलवाया गया था। पुलिस संदिग्ध स्कार्पियो की आज दूसरे दिन भी तलाश में जुटी रही।

घर में घुसकर लूटपाट, महिला समेत तीन घायल

अलवर। अलवर जिले के बहादुरपुर गांव में कुछ युवकों ने एक घर में घुसकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान आरोपियों ने परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। आरोप है कि बदमाश महिला के गले से करीब डेढ़ तोले की सोने की चेन लूटकर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार जब घर में परिवार के लोग मौजूद थे। इसी दौरान 8 से 10 युवक अचानक घर में घुस आए और लूटपाट करने लगे। परिवार के लोगों ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे तीन लोग घायल हो गए।

घटना के दौरान घर के लोगों ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण मौके पर आने लगे। ग्रामीणों को आता देख बदमाश घबरा गए और महिला के गले से सोने की चेन छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सदर थाना में मामला दर्ज कराया है।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने दो दशकों से कानून की आंखों में धूल झोंक रहे एक शातिर और इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने फिल्मी अंदाज में जाल बिछाकर गुजरात के सूरत में भेष बदलकर रह रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 20 वर्षों से फरार था और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

धम्बोला थाने के सीआई देवेंद्र देवल ने बताया कि पीठ निवासी हंसराज सिंह पुत्र हरिसिंह चौहान के खिलाफ धम्बोला थाने में दो प्रकरण दर्ज थे। जिसमें 1 फरवरी 2006 को आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते पीड़ निवासी अनंत बिहारी कोठारी पर उनकी ही घर के बाहर 3 राउंड फायरिंग की थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके अलावा अगले दिन 2 फरवरी 2006 को आरोपी ने एक डॉक्टर को फोन पर धमकी देकर 50 हजार की फिरौती मांगी थी और पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा आरोपी पर धम्बोला, सागवाडा और गुजरात के विभिन्न थानों में बलात्कार, लूट और डकैती जैसे कुल 5 से अधिक संगीन मामले दर्ज थे।

20 तक सैकण्डरी का परिणाम जारी करने की तैयारी

अजमेर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं 11 मार्च को शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गई। बोर्ड इस वर्ष सैकण्डरी परीक्षा का परिणाम 20 मार्च तक जारी करने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 2027 में बोर्ड की परीक्षाएं वर्ष में दो बार फरवरी व मई में होंगी। इसका प्रस्ताव राज्य सरकार को स्वीकृति के लिए भिजवा दिया गया है। पूरे प्रदेश में हजारों शिक्षक परिणाम जारी करने के लिए पूरे मनोयोग से मूल्यांकन कार्य में लगे हुए हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं के सफलतापूर्वक समापन पर बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं, परीक्षार्थियों की संख्या तथा परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी दी।

बोर्ड सचिव राठौड़ ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाएं 12 फरवरी से प्रारम्भ होकर 11 मार्च 2026 तक संचालित हुईं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बोर्ड की विभिन्न परीक्षाओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। माध्यमिक परीक्षा में 10 लाख 68 हजार 78, उच्च माध्यमिक स्तर में 9 लाख 9 हजार 87, प्रवेशिका परीक्षा में 7 हजार 811 तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 4 हजार 122 परीक्षार्थी

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने आयोजित प्रेस वार्ता में परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं, परीक्षार्थियों की संख्या तथा परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी दी।

पंजीकृत हुए। इस प्रकार लाखों विद्यार्थियों ने इन परीक्षाओं में भाग लिया।

बोर्ड परीक्षाएं प्रदेशभर के कुल 6195 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गईं। जहां लगभग 175 प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न कराई गईं। परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए व्यापक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। राठौड़ ने बताया कि परीक्षा की पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए, बोर्ड तथा शिक्षा विभाग की संयुक्त फ्लाइंग टीमों द्वारा सतत निगरानी रखी गई। लगभग 150 संयुक्त निदेशक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों के नेतृत्व में निरीक्षण दल सक्रिय रहे। वहीं बोर्ड स्तर पर विशेष फ्लाइंग टीमें गठित की गईं। इसके द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई। उन्होंने बताया कि बोर्ड मुख्यालय पर परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए अत्याधुनिक केन्द्रीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। जो परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व तथा परीक्षा समाप्ति तक 24 घंटे सभी अवकाश दिवसों

- **बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी**
- **शांतिपूर्ण रूप से सफलतापूर्ण बोर्ड की परीक्षा सम्पन्न हुई**

सहित लगातार कार्यरत रहा। नियंत्रण कक्ष में बड़ी स्क्रीन तथा लगभग 30 लैपटॉप के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों से प्राप्त सूचनाओं एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग पर सतत निगरानी रखी गई। प्राप्त शिकायतों के आधार पर फ्लाइंग टीमों को तत्काल मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी के लिए 167 केन्द्रों पर 274 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनकी सतत मॉनिटरिंग की गई।

इसके अतिरिक्त पांच टेलीफोन लाइनों के साथ एक पृथक नियंत्रण कक्ष भी संचालित किया गया, जिससे परीक्षा से संबंधित सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा सम्पन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन एवं सुरक्षित संग्रहण की व्यवस्था भी सुव्यवस्थित ढंग से की गई। उत्तर पुस्तिकाओं के संग्रहण के लिए प्रदेशभर में 66 संग्रहण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार रात्रि कार्य के माध्यम से भी उनका संकलन एवं व्यवस्थापन किया गया।

उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय मूल्यांकन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में लगभग 30 हजार 915 शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में लगे हुए हैं। बोर्ड का प्रयास है कि सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर 20 मार्च तक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाए। राठौड़ ने यह भी जानकारी दी कि आगामी शैक्षणिक सत्र से बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करने की योजना है। इसके तहत पहली परीक्षा फरवरी माह में तथा दूसरी परीक्षा मई में आयोजित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नीतू यादव, मुख्य नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, उपनिदेशक परीक्षा शिवप्रकाश सोनी, सहायक निदेशक राजीव चतुर्वेदी, अजय दिनेशं,अरुण जोशी एवं अजय बन्सल उपस्थित रहे।

फाइनेंस कर्मियों पर जानलेवा हमला

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में फील्ड कलेक्शन कर लौट रहे 2 फाइनेंस कर्मियों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। सदर थाना क्षेत्र के खेमारू गांव के पास हुई इस वारदात में दोनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झालावाड निवासी विजयपाल और कोटपूतली निवासी ओमप्रकाश डूंगरपुर शहर की एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। यह घटना तब हुई जब दोनों कर्मचारी वसी गांव से लोन की रिकवरी और कलेक्शन का काम पूरा कर वापस लौट रहे थे। खेमारू मॉडल स्कूल के पास आगे चल रही बाइक पर सवार 5 से ज्यादा अज्ञात बदमाशों ने अचानक उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने दोनों कर्मियों पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे विजयपाल और ओमप्रकाश को गंभीर चोटें आईं। वारदात की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। ईएमटी हर्षवर्धन और सुनील पाटीदार ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया,जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल ओमप्रकाश से रिपोर्ट ली और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।